बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -21 - 01- 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज स्त्रीलिंग के बारे में अध्ययन करेंगे ।

स्त्रीलिंग की पहचान

जिन संज्ञा शब्दों के पीछे ख , ट , वट , हट , आनी आदि आयें वे सभी स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- कडवाहट , आहट , बनावट , शत्रुता , मूर्खता , मिठाई , छाया , प्यास , ईख , भूख , चोख , राख , कोख , लाख , देखरेख , झंझट , आहट , चिकनाहट , सजावट , इन्द्राणी , जेठानी , ठकुरानी , राजस्थानी आदि ।

अनुस्वारांत , ईकारांत , उकारांत , तकारांत , सकारांत आदि संज्ञाएँ आती है वे स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- रोटी , टोपी , नदी , चिट्ठी , उदासी , रात , बात , छत , भीत , लू , बालू , दारू , सरसों , खड़ाऊं , प्यास , वास , साँस , नानी , बेटी , मामी , भाभी आदि ।

भाषा, बोलियों तथा लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- हिंदी , संस्कृत , देवनागरी , पहाड़ी , अंग्रेजी ,पंजाबी गुरुमुखी , फ्रांसीसी , अरबी ,फारसी, ज़र्मन ,बंगाली , रुसी आदि ।

नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- गंगा , यमुना , गोदावरी , सरस्वती , रावी , कावेरी , कृष्णा , व्यास , सतलुज , झेलम , ताप्ती , नर्मदा आदि।

तरीखो और तिथियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- पहली , दूसरी , प्रतिपदा , पूर्णिमा , पृथ्वी , अमावस्या , एकादशी , चतुर्थी , प्रथमा आदि ।

नक्षत्रो के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- अश्विनी , भरणी , रोहिणी , रेवती , मृगशिरा , चित्रा आदि ।

हमेशा स्त्रीलिंग रहने वाली संज्ञा होती हैं।

जैसे- मक्खी , कोयल , मछली , तितली , मैना आदि ।

समूहवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- भीड़ , कमेटी , सेना , सभा , कक्षा आदि ।

प्राणीवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- धाय , संतान , सौतन आदि।

आहारों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- सब्जी , दाल , कचौरी , पूरी , रोटी , पकोड़ी आदि।

मशालों के नाम भी स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- दालचीनी , लौंग , हल्दी , मिर्च , धनिया , इलायची , अजवाइन , सौंफ , चाय आदि।

राशि के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- कुम्भ , मीन , तुला , सिंह , मेष , कर्क आदि ।